

# Inhalt

|                                   |     |
|-----------------------------------|-----|
| Vorwort.....                      | 7   |
| Erkenntnisse.....                 | 26  |
| Wurzeln.....                      | 35  |
| Queenmaker.....                   | 44  |
| Egomanius.....                    | 58  |
| Diener.....                       | 69  |
| Das Überleben des Stärkeren.....  | 82  |
| Ein „fragwürdiger Todesfall“..... | 93  |
| Unbequeme Wahrheiten.....         | 107 |
| Pakt mit dem Teufel.....          | 126 |
| Im Namen des Narzissmus.....      | 140 |
| Schnöder Mammon.....              | 153 |
| Goliaths Strategien.....          | 165 |
| David.....                        | 181 |
| Achtsamkeit.....                  | 189 |
| Des Pudels Kern.....              | 196 |
| Gebrochene Flügel.....            | 228 |
| Morgendämmerung.....              | 242 |
| Der Gegner in Dir selbst.....     | 251 |
| Showdown.....                     | 261 |
| Prävention – wozu?.....           | 267 |
| Kämpferherz.....                  | 274 |
| Nachwehen.....                    | 282 |
| Fremde Federn.....                | 284 |
| Legenden – eine Ermutigung.....   | 286 |
| The wings of the Phoenix.....     | 289 |
| Gesichter – Life reloaded.....    | 300 |
| Anhang.....                       | 305 |
| Der Autor.....                    | 305 |
| Persönliche Dankesworte.....      | 309 |